



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 208]  
No. 208]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 15, 1978/आषाढ़ 24, 1900  
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 15, 1978/ASADHA 24, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय  
(बाग्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1978

अधिसूचना

सां० का० नि० 371(अ)—केन्द्रीय सरकार, धान कुटाई उद्योग (विनियमन) अधिनियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुशासन) नियम, 1959 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है, प्रतियोजनाता को उपलब्ध कराई जाती है, 45 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उपरोक्त अधवि की समाप्ति से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

- (1) इन नियमों का नाम धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुशासन) द्वितीय संशोधन नियम, 1978 है।
- धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुशासन) नियम, 1959 में :—

(1) नियम 3 में,

उपनियम (3) में, खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) यदि प्रस्थापित मिल में एक या एक से अधिक हुलर हों तो, आवेदक यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसा कोई हुलर धान की भूसी उतारने के लिए उपयोग में न लाया जाए, और ऐसे भूसी उतारने के प्रयोजनार्थ ऐसा आवेदक, ऐसे स्थापन या किसी निष्पक्ष बावल मिल में कुटाई के काम को फिर से प्रारंभ करने के पूर्व किसी भी समय धान क्लीनर और धान पृथक्कृत के साथ-साथ एक रबड़ रोल शेलर या अपकेन्द्री डीहस्कर लगाए :—

परन्तु एकल हुलर की वशा में, डीहस्कर, धान क्लीनर और धान पृथक्कृत या तो अलग अलग पृथक् एककों के रूप में लगाए जा सकेंगे या एक एकीकृत संयुक्त मिल में लगाए जा सकेंगे :

परन्तु यह और कि यह खण्ड, बावल मिलों के उन नए एककों को लागू नहीं होगा जो 15 अश्व शक्ति और कम शक्ति से युक्त हैं तथा जिनमें एक से अधिक हुलर न हों और जिनमें अपना अंशस्वयम उपस्कर नहीं है और जो ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित हैं तथा जो अंशस्वयम धान की केवल प्रधानतः कुटाई करते हैं :

परन्तु यह भी कि द्वितीय परन्तुक में निदिष्ट मिलें, उस तारीख से, जिसको शुरू-शुरू में अनुज्ञप्ति दी गई थी, 6 वर्ष की अवधि के भीतर एक धान क्लीनर और धान पृथक्कृत सहित रबड़ रोल शेलर या अपकेन्द्री डीहस्कर लगाएंगी।”

- (2) अनुसूची में, प्रारूप 4 में, खण्ड 3 में, शर्त 3-म के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3क) नियम 3 के उपनियम (3) के खण्ड (क) के द्वितीय और तृतीय परन्तुक में निदिष्ट बावल मिल का अनुज्ञप्तिधारी यह सुनिश्चित करेगा कि, इस अनुज्ञप्ति की तारीख

से 5 वर्ष की अवधि के भीतर, एक घान क्लीनर और घान पृथक्कित सहित एक रबर रोल शेलर या अपकेन्द्री डीहस्कर लगा दिया जाएगा।”

[सं० 15 (जनरल) (10)/77-डी एण्ड आर (1)]

के० सी० एस० आचार्य, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 15th July, 1978

### NOTIFICATION

**G.S.R. 371(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 22 of the Rice-Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any persons with respect to the said draft before the expiry of the said period will be taken into consideration by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. These rules may be called the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Second Amendment Rules, 1978.
2. In the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959,

- (i) in rule 3, in sub-rule (3), for clause (a) the following clause shall be substituted, namely:—

“(a) in case the proposed mill consists of one or more than one huller, the applicant shall ensure that no such huller is utilised for dehussing paddy and that for the purpose of such dehussing such applicant installs a rubber roll sheller or centrifugal dehusser along with a paddy cleaner and a paddy separator at any time before such establishment or recommencement of milling operations in a defunct rice mill :

Provided that in the case of a single huller, the dehusser, paddy cleaner and paddy separator may be installed either as individual separate units or be incorporated into one integrated composite mill :

Provided further that this clause shall not apply to new units of rice mills powered by motor of 15 horse-power and less, and consisting of not more than one huller and having no parboiling equipment of their own, which will be located in rural areas and which will be doing only custom milling of parboiled paddy :

Provided also that the mills referred to in the second proviso shall install a rubber roll sheller or centrifugal dehusser along with a paddy cleaner and paddy separator within a period of 5 years from the date on which licence is initially granted.”;

- (ii) in the Schedule, in Form IV, in clause 3, after condition 3(D), the following shall be inserted, namely:—

“(3E) The licensee of rice mill referred to in the second and third proviso to clause (a) of sub-rule (3) of rule 3 shall ensure that a rubber roll sheller or a centrifugal dehusser along with a paddy cleaner and a paddy separator is installed within a period of 5 years from the date of this licence”.

[No. 15(Genl)(10)/77-D&R(I)]

K. C. S. ACHARYA, Jt. Secy.